सेवा, दक्षता एवं पराक्रम

मुद्रक: प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ

सन्देश

प्रशान्त कुमार
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग)
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ

सन्देश

प्रिय साथियों,

विश्व के विशालतम, गौरवशाली व स्वर्णिम इतिहास वाले उत्तर प्रदेश पुलिस बल के प्रिय सम्मानित सदस्यों, मैं आपके नवनियुक्त प्रमुख के रूप में गर्व और जिम्मेदारी की गहरी भावना से भर गया हूँ; आज, मैं सिर्फ एक भूमिका नहीं निभा रहा हूँ, मैं एक विरासत को अपना रहा हूँ– एक ऐसी विरासत जो साहस, बलिदान और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की नींव पर बनी है। हम शांति के संरक्षक, न्याय के रक्षक और निर्दोषों की ढाल हैं। हमारा बैज सिर्फ अधिकार का प्रतीक नहीं है; यह विश्वास, निष्पक्षता और करुणा के साथ सेवा और सुरक्षा का भी प्रतीक है। आधुनिक भारत के शिल्पकार सरदार बल्लभ भाई पटेल के शब्दों में "सरकार की प्रतिष्ठा बनाए रखने और नागरिकों के सम्मान की रक्षा करने की जिम्मेदारी आपकी (पुलिस) है।"

हम जिस रास्ते पर चलते हैं वह आसान नहीं है। यह चुनौतियों से भरा है और अत्यधिक समर्पण और दृढ़ता की मांग करता है। लेकिन यह सम्मान का मार्ग भी है, एक ऐसा मार्ग जो हमें उन लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने की अनुमति देता है जिनकी हमने सेवा करने की शपथ ली है।

न्याय की हमारी खोज में, अस्पष्टता के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिएः अपराध और भ्रष्टाचार पर हमारा रुख शून्य सहिष्णुता का है। यह सिर्फ एक नीति नहीं है; यह एक वादा है– प्रदेश की जनता से और खुद से हम अपनी पूरी ताकत से समस्त चुनौतियों का सामना करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे कार्य हमेशा उन उच्च नैतिक मानकों को प्रतिबिंबित करेंगे जिनके लिए हम खड़े हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही वे आधारशिलाएं हैं जिन पर पुलिस और जनता के बीच विश्वास कायम होता है। हमें इन सिद्धांतों को पूरे दिल से अपनाना चाहिए, जिससे उन्हें हमारे हर कार्य का मार्गदर्शक स्तंभ बनाया जा सके। बल के प्रत्येक सदस्य को न केवल निष्पक्ष कार्य करना चाहिए, बल्कि निंदा से परे भी दिखना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी ईमानदारी कभी भी सवालों के घेरे में न हो। मैं आप सभी से इस प्रतिबद्धता में मेरे साथ शामिल होने का आग्रह करता हूँ। आइए हम एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करें जहां ईमानदारी और जवाबदेही न केवल अपेक्षित हो बल्कि हमारे संगठन का स्वभाव हो।

आप अपराधियों के प्रति कठोर रहें, प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में निडर रहें और जिनकी हम सेवा करते हैं उनके प्रति दयालु रहें। हमारी यात्रा चुनौतीपूर्ण होगी, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम एक साथ मिलकर साहस और दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना करेंगे।

हम एक ताकत बनेंगे जो न केवल अपराध से लड़ेंगे बल्कि समाज के लिए एक उज्जवल और सुरक्षित भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे। आपके प्रमुख के रूप में, मैं पारदर्शिता के साथ नेतृत्व करने, खुद को और इस बल के प्रत्येक सदस्य को जवाबदेही के उच्चतम मानकों पर रखने और जनता का विश्वास अर्जित करने और बनाए रखने के लिए अथक प्रयास करने की प्रतिज्ञा करता हूँ।

मैं समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देना चाहता हूँ। मेरे लिए यह जरूरी है कि हमारा बल सभी महिलाओं के लिए सुरक्षा और समर्थन का प्रतीक बने। हम लिंग आधारित हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ कानूनों को सख्ती से लागू करेंगे, और एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए परिश्रमपूर्वक काम करेंगे जहां महिलाएं बिना किसी डर के रह सकें, काम कर सकें और आगे बढ़ सकें।

मैं पुलिसिंग पद्धतियों में क्रांतिकारी बदलाव लाने और हमारी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हूँ। नए युग की प्रौद्योगिकी का आगमन हमें सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार करने, हमारे संचालन को सुव्यवस्थित करने और हमारे बल के भीतर अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है। हम डेटा एनालिटिक्स से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक अत्याधुनिक उपकरणों में निवेश करेंगे, ताकि न केवल अपराध की अधिक प्रभावी ढंग से भविष्यवाणी की जा सके बल्कि उसे रोका भी जा सके। हम डंडा और डेटा, बुलेट और ब्लॉकचेन तकनीक दोनों का प्रभावी उपयोग करेंगे।

हमे खुद को उन सिद्धांतों के प्रति फिर से प्रतिबद्ध करना चाहिये जो उत्तर प्रदेश पुलिस बल को परिभाषित करते हैं। हमे समाज के साथ मजबूत, अधिक भरोसेमंद रिश्ते बनाने का प्रयास करना होगा। याद रखें, हमारे बल की ताकत हमारे हथियारों की शक्ति में नहीं, बल्कि जिन लोगों की हम सेवा करते हैं, उनके साथ हमारे संबंधों की गहराई में निहित है।

हमे उन लोगों को भी याद करना चाहिए जो हमसे पहले इस रास्ते पर चले हैं, जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। उनका बलिदान हमारे संकल्प का आधार है।

मैं आपके साथ खड़ा रहने, आपका समर्थन करने और एक ऐसे दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करने का वादा करता हूँ जो न केवल हमारे अतीत का सम्मान करेगा बल्कि आशा, शांति और सुरक्षा से भरे भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। साथ मिलकर, हम आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करेंगे, कानून प्रवर्तन की बदलती गतिशीलता को अपनाएंगे, और गरिमा और सम्मान के साथ कानून का राज स्थापित करेंगे।

आइए हम इस यात्रा को नए जोश के साथ, एक सामूहिक भावना के साथ शुरू करें जो कहती है, "हम कर सकते हैं, और हम करेंगे।" हम साथ मिलकर बदलाव लाने, आशा की किरण बनने और यह सुनिश्चित करना जारी रखेंगे कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को न्याय मिले।

प्रतिदिन अपने कर्तव्यों के निर्वहन मे गांधीजी द्वारा दिये गये ताबीज को याद रखें जिसमें बापू ने कहा था कि सबसे गरीब और असहाय आदमी का चेहरा याद करें जिसे आपने देखा हो और अपने आप से पूछें कि क्या आप जो कदम उठाने जा रहे हैं वह उसके लिए उपयोगी होगा। बापू ने यह मंत्र देते हुए कहा था कि भारत की कानून–व्यवस्था इसी मंत्र के इर्द–गिर्द होगी तो ही समाज व व्यक्ति का कल्याण हो सकेगा।

हम सब मिलकर अपने बल के गौरवशाली इतिहास का अगला अध्याय लिखेंगे, एक ऐसा अध्याय जिसे आने वाली पीढ़ियां गर्व के साथ देखेंगी। साथ मिलकर, हम ईमानदारी, सेवा और न्याय की एक विरासत बनाएंगे जो समय की कसौटी पर खरी उतरेगी। आपके समर्पण, आपकी बहादुरी और नेक कार्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। "साथ मिलकर, हम अजेय हैं।"

जय हिंद !

ससम्मान

(प्रशान्त कुमार)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश